एक नजर में

चाय कैफे की आड़ में ड्रग्स सप्लाई, दो गिरफ्तार

भोपाल. अयोध्यानगर थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दो एमडी ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है .पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3 ग्राम एमडी ड्रग्स, कार और दो मोबाइल फोन समेत करीब 6 .50 लाख रुपये का सामान जब्त किया है. पुलिस के अनुसार आरोपी हर्ष सोनी (26) और दीपक ठाकुर (26) मीनाल रेसीडेंसी और इंद्रपुरी क्षेत्र में कॉलेज छात्रों और युवाओं को ड्रग्स सप्लाई करते थे. आरोपी सस्ते दामों में एमडी ड्रग्स खरीदकर चाय कैफे की आड़ में महंगे दामों पर बेचते थे .पूछताछ में आरोपियों ने ड्रग्स खरीद-फरोख्त से जुड़े नेटवर्क की जानकारी दी है.

आईआईटी इंजीनियर का शाहपुरा झील में मिला शव

भोपाल. शाहपुरा झील में एक 27 वर्षीय इंजीनियर का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. युवक दोपहर में इलाज कराने के लिए शाहपुरा स्थित निजी अस्पताल जाने की बात कहकर घर से निकला था. कुछ घंटे बाद उसका शव झील में उतराता हुआ मिला. सूचना मिलते ही चूनाभट्टी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को झील से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है. थाना प्रभारी धमेन्द्र मौर्य के अनुसार मृतक की पहचान प्रियांशु जैन (27) के रूप में हुई है.

तेज रफ्तार कार ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, मौत

भोपाल. कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित गेहूंखेड़ा के पास तेज रफ्तार कार ने पैदल जा रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी, जिससे वह हवा में उछलकर काफी दूर जा गिरे. गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. हादसे के समय वह अपने भतीजे के साथ पैदल काम पर जाने के लिए निकले थे. टक्कर मारने वाली कार और चालक की पुलिस तलाश कर रही है. शोभालाल अहिरवार (59) मूलत: ग्राम सिकंदर बरखेड़ा थाना रहली जिला सागर के रहने वाले थे .फिलहाल वह इकरा मस्जिद के पास गेहूंखेड़ा में रहते थे और मजदूरी करते थे.

पुलिस बनकर सड़क पर उगाही

अशोका गार्डन निवासी दोनों आरोपी पकड़ाए

अलग अलग क्षेत्रों में करते थे वसूली

भोपाल, 31 जुलाई. दो युवकों के फर्जी पुलिस बनकर राहगीरों से वसूली करने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है. दोनों आरोपी बिना हेलमेट चलने वाले बाइक सवारों को निशाना बनाते थे. वे उनका पीछा कर रास्ते में रोकते, खुद को पुलिसकर्मी बताकर चालान और कानूनी कार्रवाई का डर दिखाते और मौके पर ही नकद रुपये वसूल लेते थे.

इन नकली पुलिस वालों का दु.साहस तो देखिए, जो लोग उनकी बात नहीं मानते, उन्हें नकली पिस्टल दिखाकर धमकाने की भी कोशिश की जाती थी. मामला शाहपुरा चौराहे पर सामने आया, जब वहां मौजूद लोगों को दोनों युवकों की गतिविधियों पर शक हुआ. लोगों ने उनसे पूछताछ की, लेकिन वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके. इसके बाद भीड़ की सूचना पर शाहपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई. शाहपुरा थाना प्रभारी संतोष मरकाम के अनुसार पुलिस को रात करीब साढ़े नौ बजे सूचना मिली थी कि दो युवक सड़क पर वाहन चालकों को रोककर खुद को पुलिसकर्मी बताकर वसूली कर रहे हैं. पुलिस मौके पर पहुंची तो दोनों ने पहले खुद को कोहेफिजा थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी बताया, लेकिन जब उनसे पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई प्रमाण नहीं दिखा सके. सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों की कहानी झूठी साबित हो गई. आरोपियों की बाइक में पुलिस का लोगो भी लगा मिला है.

नकली पिस्टल से रंगबाजी

पुलिस ने अमान खान के पास से एक नकली पिस्टल भी बरामद की है. शाहपुरा थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ फर्जी पुलिस बनकर वसूली, धोखाधड़ी और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों अब तक कितने लोगों को इसी तरीके से अपना शिकार बना चुके हैं. पुलिस आरोपियों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे पहले भी इस तरह की घटनाओं में शामिल रहे हैं या नहीं. जांच में सामने आया है कि अमान खान के खिलाफ पहले से मारपीट का एक मामला दर्ज है, जबकि कार्तिक मिश्रा के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है. पुलिस का मानना है कि पूछताछ में इस गिरोह और उनकी अन्य गतिविधियों से जुड़े कई अहम खुलासे हो सकते हैं.

गिरफ्तारी के बाद 'प्रैंक' का बहाना

गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे केवल प्रैंक कर रहे थे और लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से ऐसा कर रहे थे .हालांकि पुलिस ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया. पुलिस का कहना है कि मौके से ऐसी कोई वीडियो रिकॉर्डिंग या अन्य साक्ष्य नहीं मिले, जिससे यह साबित हो सके कि यह किसी सोशल मीडिया प्रैंक का हिस्सा था.

ऐसे करते थे फर्जी वसूली

1. **पहले पीछा:** बिना हेलमेट या यातायात नियम तोड़ने वाले बाइक सवारों को निशाना बनाते थे.
2. **फिर रोकते:** सड़क पर रोककर खुद को पुलिसकर्मी बताते थे.
3. **डर दिखाते:** चालान, कोर्ट और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर रुपये मांगते थे.
4. **नहीं मानने पर धमकी:** पैसा नहीं मिलने पर कुछ मामलों में नकली पिस्टल दिखाकर डराने की कोशिश करते थे.
5. **पहचान पूछने पर फंसे:** शाहपुरा चौराहे पर लोगों ने आईडी मांगी तो दोनों घबरा गए. शक होने पर भीड़ ने घेर लिया और पुलिस के हवाले कर दिया.

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी अमान खान और कार्तिक मिश्रा अशोका गार्डन क्षेत्र में रहते हैं. कार्तिक मिश्रा मूल रूप से रीवा का निवासी है और कैरियर कॉलेज में बीएएलएलबी का छात्र है. उसके पिता शासकीय स्कूल में प्राचार्य हैं. वहीं अमान खान दमोह जिले का रहने वाला है और एमपी नगर स्थित एक निजी आईटी कंपनी में एचआर के पद पर कार्यरत है. उसके पिता नगर निगम में अधिकारी हैं. घटना से संबंधित वीडियो वायरल हुए हैं.

दुष्कर्म के मामलों में लगातार इजाफा

60 % मामलों का संबंध सोशल मीडिया से

प्रांजुल पाण्डेय

भोपाल, 31 जुलाई. राजधानी में महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ बढ़ते अपराध गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं. पुलिस के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में दुष्कर्म के मामलों में करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है.

वर्ष 2024 में दुष्कर्म के 305 मामले सामने आए थे, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर 367 हो गई. वर्ष 2026 में जनवरी से मई तक ही 167 दुष्कर्म के मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 164 मामलों से अधिक हैं. राजधानी में औसतन प्रतिदिन एक दुष्कर्म और एक छेड़छाड़ की शिकायत पुलिस तक पहुंच रही है. सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व चाइल्ड लाइन डायरेक्टर अर्चना सहाय के अनुसार महिला और बाल अपराधों के लगभग 60 प्रतिशत मामलों का संबंध सोशल मीडिया से जुड़ा पाया गया है.

हाल के मामलों ने भी चिंता बढ़ाई है. 22 जुलाई को जहांगीराबाद क्षेत्र में जन्मदिन पार्टी का झांसा देकर एक नाबालिग दलित लड़की का अपहरण किया गया. इस मामले में पुलिस के दो आरक्षकों पर दुष्कर्म और सहयोग का आरोप लगा, जिन्हें 24 जुलाई तक गिरफ्तार कर लिया गया. वहीं 27 जुलाई को रातीबड़ में एक 29 वर्षीय मेकअप आर्टिस्ट ने सोशल मीडिया पर मिले युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का मामला दर्ज कराया.

पुलिस कमिश्नर संजयकुमार के अनुसार महिला एवं बाल अपराधों की जांच को अधिक संवेदनशील और प्रभावी बनाने के लिए जांच अधिकारियों कोविशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

मुनाफे का झांसा देकर साइबर हैकर से 1.09 करोड़ की ठगी

भोपाल, 31 जुलाई. शाहपुरा थाना क्षेत्र में मेडिकल इक्यूपमेंट कारोबार में निवेश के नाम पर एक साफ्टवेयर इंजीनियर (साइबर हैकर) से 1.09 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है. आरोप है कि एक दंपति ने सरकारी अस्पतालों में मेडिकल उपकरण सप्लाई करने वाली कंपनी में साझेदारी और कम समय में भारी मुनाफे का लालच देकर पीड़ित से बड़ी रकम निवेश करा ली.

जब आरोपियों ने मशीनरी खरीदने के नाम पर एक करोड़ रुपये और निवेश करने की मांग की, तब पीड़ित आयुष बावरिया को शक हुआ. जांच करने पर पता चला कि मेडिकल कंपनी खरीदने और कारोबार से जुड़े कई दावे फर्जी थे. मामले में शाहपुरा थाना पुलिस ने आरोपी अमित शर्मा और उनकी पत्नी दर्शना शर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है.

पुलिस के अनुसार, गुलमोहर कॉलोनी निवासी 28 वर्षीय आयुष बावरिया जर्मनी से साफ्टवेयर इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके हैं और एक निजी कंपनी में साइबर हैकर के रूप में काम करते हैं. आयुष की मुलाकात परिचित कपिल के माध्यम से अमित शर्मा और दर्शना शर्मा से हुई थी.

पीएलटी-एनडीपीएस के तहत तस्कर डिटेन

भोपाल. नशे से दूरी अभियान के दरमियान भोपाल पुलिस ने पहली बार पीएलटी-एनडीपीएस के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए शातिर गांजा तस्कर शेलू उर्फ शैलेश संकत को 6 माह के लिए निरुद्ध करने की कार्रवाई की है. आरोपी को केंद्रीय जेल, इंदौर में रखा जाएगा. आरोपी वर्ष 2020 से अवैध गांजा के संग्रहण, परिवहन और तस्करी में लगातार संलिप्त था. पुलिस के अनुसार वह बाहरी क्षेत्रों से गांजा लाकर भोपाल में सप्लाई करता था और कार्रवाई से बचने के लिए बिचौलियों एवं एजेंटों के माध्यम से अपना नेटवर्क संचालित करता था. आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस समेत 42 संगीन आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं.

4 साल से भुगतान को तरस रहे शिक्षक

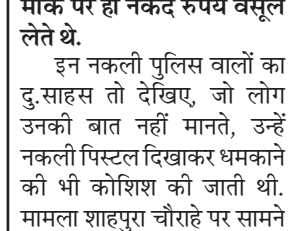

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 31 जुलाई.मध्य प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल (एमपीएनआरसी) की लचर कार्यप्रणाली ने प्रदेश के नर्सिंग शिक्षकों को सड़क पर उतरने को मजबूर कर दिया है.

परीक्षा कराने से लेकर कॉपियों के मूल्यांकन, पेपर सेटिंग, इंस्पेक्शन और पंजीयन तक के शासकीय दायित्व निभाने के बावजूद शिक्षकों को वर्ष 2022 से अब तक मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है. अकाउंट्स विभाग में बिल जमा होने के सालों बाद भी फंड जारी न होने से शिक्षकों में भारी गुस्सा है. फैकल्टी मेंबर्स का कहना है कि पूर्व रजिस्ट्रार सुनीता सीज के कार्यकाल तक भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और समय पर थी, लेकिन पिछले चार सालों से काम कराने के बाद शिक्षकों को सिर्फ चक्कर कटवाए जा रहे हैं.

वर्ष 2025 में आयोजित हुई अंतिम परीक्षाओं के बाद से ही काउंसिल का कामकाज पूरी तरह पटरी से उतर चुका है. पंजीयन और गुड स्टैंडिंग सर्टिफिकेट समय पर न मिलने के कारण हजारों पासआउट नर्सिंग छात्रों का करियर अधर में लटक गया है. शिक्षकों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनके बकाए का तुरंत भुगतान नहीं हुआ और काम का समान बंटवारा नहीं किया गया, तो वे काम ठप कर चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे.

मुझे कार्यभार संभाले अभी एक वर्ष हुआ है. इस दौरान जितने भी लंबित (पेंडिंग) मामले थे, उनका निस्तारण कर दिया गया है। इसके बावजूद भी किन्हीं लोगों का भुगतान शेष रह गया है, तो वे अपनी जानकारी कार्यालय में आकर जमा करवा सकते हैं, भुगतान शीघ्र कर दिया जाएगा.

मुकेश सिंह, रजिस्ट्रार, एमपीएनआरसी

दंपति से 27 लाख की ठगी

फर्जी ट्रेडिंग ऐप के जरिए लगाई चपत

भोपाल, 31 जुलाई. साइबर ठगों ने निवेश गुरु बनकर एक दंपति को फर्जी इंस्टीट्यूशनल ट्रेडिंग ऐप के जाल में फंसाकर करीब 27 लाख रुपये की ठगी कर ली. मामले में अहमदपुर निवासी रिंचू राय ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.

आरोपी कुशल मालवीय ने रिंचू राय से संपर्क कर उन्हें व्हाट्सएप पर एक ट्रेडिंग ग्रुप में जोड़ा. इस ग्रुप का एडमिन खुद को मोहित भारती बताता था. आरोपियों ने रिटेल और इंस्टीट्यूशनल ट्रेडिंग के नाम पर ज्यादा मुनाफे का लालच देकर निवेश करने के लिए प्रेरित किया. इसके बाद दंपति का एक फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर अकाउंट खुलवाया गया और शेयर व आईपीओ में निवेश के नाम पर रकम जमा कराई गई. कुछ समय बाद आईपीओ में शेयर आवंटित होने का हवाला देकर आरोपियों ने लगातार और अधिक भुगतान करने का दबाव बनाया. रकम फ्रीज होने और भारी नुकसान का डर दिखाकर अलग-अलग बैंक खातों में कई किस्तों में पैसे ट्रांसफर करा लिए गए. रिंचू राय ने अपने कोटक महिंद्रा बैंक खाते से 21 लाख 84 हजार 449 रुपये भेजे, जबकि उनके पति पवन मेहरा ने एसबीआई खाते सहित अन्य माध्यमों से 5 लाख 23 रुपये ट्रांसफर किए.

नवतारण गैस एजेंसी पर जिला आपूर्ति विभाग की कार्रवाई

79 गैस सिलेंडर सहित वाहन जब्त

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 31 जुलाई. राजधानी में शुक्रवार को नवतारण भारत गैस एजेंसी के घरेलू गैस सिलेंडर से भरे ट्रक को को जब्त करने की कार्रवाई की. गैस सिलेंडर से भरा ट्रक चालक और कर्मचारियों ने आयोध्या बायपास पर निजी रिफिलिंग करने वाले के यहां पर खड़ा कर दिया था. और उसे सिलेंडर बेच रहे थे.

जिसकी सूचना पर जिला सहायक आपर्ति अधिकाारी अशोक सत्यार्थी और पुष्पराज पाटिल ने मौके पर पहुंचकर दबोच लिया. उसके बाद कार्रवाई करते हुए 79 घरेलू गैस सिलेंडरों सहित वाहन जब्त किया गया. बता दें कि इसके पहले भी एजेंसी संचालक सिलेंडरों की अवैध सप्लाई करते हुए पकड़ाए जा चुके हैं. इन सिलेंडरों का उपयोग वाहनों में एलपीजी भरने के साथ ही अमानक सिलेंडरों की रिफिलिंग में भी किया जाता है.

एक साल पहले भी पकड़ाए थे 26 भरे हुए सिलेंडर

इसके पहले 18 जुलाई 2025 को भी भानपुर स्थित गोल चौराहे से नवतारण भारत गैस एजेंसी के कर्मचारी एक ऑटो में एलपीजी रिफिल करते हुए पकड़ाए थे. कार्रवाई के दौरान 131 खाली सिलेंडरों के साथ 26 भरे हुए सिलेंडर भी मिले थे.

इनका कहना है .

नवतारण भारत गैस एजंसी के कर्मचारी अवैध रिफिलिंग कने वाले को सिलेंडर बेचते हुए मिले . जिसके बाद 79 सिलेंडर व वाहन को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है .

चंद्रभान सिंह जादौन, जिला आपूर्ति नियंत्रक

पुलिस मुख्यालय से आठ सेवानिवृत्त

भोपाल. मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से जुलाई माह में सेवानिवृत्त हुए आठ कर्मचारियों को शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने भावभीनी विदाई देते हुए उनकी दीर्घकालीन सेवाओं की सराहना की. नवीन पुलिस मुख्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पौधे एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए तथा उनके स्वस्थ, सुखी एवं सम्मानपूर्ण जीवन की शुभकामनाएं दी गईं.

मूंग खरीदी के स्लॉट नहीं हो रहे बुक

- बायोमेट्रिक मिलान नहीं होने से अटकी खरीदी
- तुलाई के बाद वेयरहाउस में रखी है मूंग

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 31 जुलाई.प्रदेश सरकार ने किसान आंदोलन के दबाव में समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी की सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दी, लेकिन इसका लाभ अभी किसानों को नहीं मिल पा रहा है.

पहले चरण की खरीदी के बाद पोर्टल को दोबारा अपडेट नहीं किया गया है. अब किसान जब शेष मूंग बेचने के लिए दोबारा स्लॉट

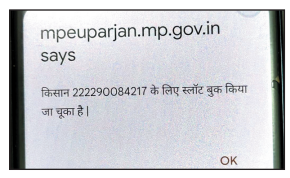

बुक करने का प्रयास कर रहे हैं, तो पोर्टल पर संदेश आ रहा है कि आप पहले ही स्लॉट बुक कर चुके हैं. इसके कारण किसान सरकार द्वारा बढ़ाई गई खरीदी सीमा का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं. दूसरी ओर खरीदी केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन की अनिवार्यता भी किसानों के लिए नई परेशानी बन गई है.जानकारी के अनुसार प्रदेश में मूंग की फसल के लिए 3.47 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है. इनमें से अब तक लगभग 86 हजार किसानों से 25 प्रतिशत सीमा के तहत 60,668 मीट्रिक टन मूंग की खरीदी की जा चुकी है।

सरकार द्वारा सीमा बढ़ाए जाने के बाद किसानों को उम्मीद थी कि वे अपनी शेष उपज भी समर्थन मूल्य पर बेच सकेंगे, लेकिन पोर्टल में आवश्यक तकनीकी बदलाव नहीं होने से दोबारा स्लॉट बुकिंग की सुविधा शुरू नहीं हो सकी है। इससे बड़ी संख्या में किसान अतिरिक्त मूंग समर्थन मूल्य पर बेचने से वंचित हैं और उन्हें खुले बाजार का रुख करना पड़ सकता है. कई खरीदी केंद्रों पर किसानों की मूंग की तुलाई हो चुकी है, लेकिन अंतिम प्रक्रिया में बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य होने के कारण खरीदी पूरी नहीं हो पा रही है.

किसानों का कहना है कि यदि फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं हो रहा है, तो आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, भूमि के खसरा-खतौनी दस्तावेज, मोबाइल ओटीपी या अन्य वैकल्पिक माध्यमों से सत्यापन कर खरीदी की जानी चाहिए। वर्तमान में फिंगरप्रिंट फेल होने की स्थिति में आधार ओटीपी, फेस ऑथेंटिकेशन या अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से सत्यापन जैसी कोई वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।...
मेरी उम्र 60 वर्ष से अधिक है। उपार्जन केंद्र पर 24 क्विंटल मूंग की तुलाई हो चुकी है और वह वेयरहाउस में रखी हुई है. अंगूठे का बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं होने के कारण खरीदी की प्रविष्टि रजिस्टर में नहीं हो सकी है.

-अनीता जाट, ग्राम नारायणपुर, तहसील बुधनी, जिला सीहोर

70% नमूनों में मिला फीकल कोलीफॉर्म

एच2एस टेस्ट किट से नमूनों की जांच की गयी

नवभारत न्युज

भोपाल, 31 जुलाई. यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के पीछे बसे इलाकों में पाइपलाइन से मिल रहे पेयजल को लेकर गैस पीड़ित संगठनों ने गंभीर सवाल उठाए हैं. शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में संगठनों ने दावा किया कि जुलाई में 30 बस्तियों से लिए गए 63 पानी के नमूनों में से 43, यानी करीब 70 प्रतिशत में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिला. उनका कहना है कि इससे कई इलाकों में दूषित पानी की आपूर्ति होने की आशंका है.

संगठनों के प्रतिनिधियों के अनुसार 2 से 22 जुलाई के बीच

एच2एस टेस्ट किट से नमूनों की जांच की गई. उनका दावा है कि बड़ा तालाब से सप्लाई होने वाले पानी के लगभग 90 प्रतिशत नमूनों में फीकल कोलीफॉर्म मिला, कोलार क्षेत्र के करीब 25 प्रतिशत नमूने प्रभावित पाए गए. नर्मदा जल के जिन नमूनों की जांच की गई, उनमें ऐसी समस्या सामने नहीं आई. इन संगठनों ने आरोप लगाया है कि इन बस्तियों का भूजल पहले से उपयोग योग्य नहीं है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पाइपलाइन से साफ पानी उपलब्ध कराया जा रहा है. इसके बावजूद वर्षों से सीवेज और ड्रेनेज व्यवस्था में सुधार नहीं होने से समस्या बनी हुई है.

परिवहन भोपाल की एसी ई-बसों को यात्रियों ने सराहा

बसों की संख्या बढ़ाने, टाइमिंग तय करने की मांग

सिटी रिपोर्टर

भोपाल , 31 जुलाई.राजधानी में एसी ई-बसों के संचालन की शुरुआत के साथ ही शहर के सार्वजनिक परिवहन को नया विकल्प मिला है. तीन रूटों पर शुरू हुई इस सेवा को यात्रियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है. सफर करने वाले लोगों का कहना है कि एसी सुविधा, साफ-सफाई, कम शोर और प्रदूषण मुक्त संचालन ने यात्रा को पहले से अधिक आरामदायक बना दिया है.

सबसे बड़ी बात यह है कि इन बसों का किराया सामान्य सिटी बसों के बराबर रखा गया है, जिससे यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ रहा.हालांकि, लोगों का मानना है कि फिलहाल बसों की संख्या सीमित होने और तय समय-सारिणी नहीं होने के कारण कई बार लंबा इंतजार करना पड़ता है.यात्रियों ने शहर के अधिक रूटों पर ई-बसों का संचालन शुरू करने, बसों की संख्या बढ़ाने और नियमित टाइमिंग तय करने की मांग की है. उनका कहना है कि इससे अधिक लोग सार्वजनिक परिवहन की ओर आकर्षित होंगे और शहर में ट्रैफिक जाम व प्रदूषण दोनों में कमी आएगी.

बस में सफाई अच्छी रहती है, शोर बिल्कुल नहीं होता और सफर आरामदायक लगता है. किराया भी उचित है. अगर बसों की संख्या और बढ़ा दी जाए तो यात्रियों को और सुविधा मिलेगी **- राहुल शर्मा**

महिलाओं के लिए यात्रा सुरक्षित महसूस होती है. एसी अच्छी तरह काम करता है और सीटें आरामदायक हैं. समय पर बसें मिलें तो यह सेवा और भी बेहतर साबित होगी. **-सीमा वर्मा (शिक्षिका)**

कॉलेज आने-जाने के लिए इलेक्ट्रिक बस सबसे अच्छा विकल्प है. किराया कम है और मोबाइल चार्जिंग जैसी अतिरिक्त सुविधाएं मिलें तो युवाओं के लिए यह और आकर्षक बन सकती है .**- अजय सिंह**

इलेक्ट्रिक बसें शहर के लिए अच्छी पहल हैं. ट्रैफिक में सफर आरामदायक रहता है, इंजन की आवाज नहीं होने से अच्छा अनुभव मिलता है .बसों की कमी अभी भी महसूस होती है . **मुकेश यादव**